चुगली खाना - हसद - बदनिगाही

मौलाना जलील अहसन नदवी रह. राहे अमल हिन्दी.

‘नोट:- हदीष की रिवायत का खुलासा है.’

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

चुगली खाना

{१} बुखारी व मुस्लिम; रावी हज़रत हुजैफा रदी. खुलासा- रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया की चुगली खाने वाला जन्नत में नहीं जाएगा.

{२} बुखारी; रावी हज़रत अब्दुल्लाह बिन अब्बास रदी. खुलासा- रसूलुल्लाहﷺ दो कबरों के पास से गुजरे तो आपने बाताया की इन दोनों पर अज़ाब हो रहा है, और ये अज़ाब किसी ऐसी चीझ पर नहीं जिसे वो छोड नहीं सकते थे अगर चाहते हो आसानी के साथ उस्से बच सकते थे, बेशक उन का जुर्म बडा है, उन्मे से एक चुगली खाया करता था और दूसरा अपने पेशाब की छींटों से बचता नहीं था.

{३} रियाजुस्सालिहीन; रावी हज़रत इबने उमर रदी. खुलासा-
रसूलुल्लाहﷺ ने चुगली खाने और गीबत करने और गीबत सुनने से मना फरमाया है.

हसद (ईर्ष्या)

{४} अबू दाउद; खुलासा-
रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया तुम अपने आपको हसद से बचाओ, इसलिए की हसद नेकियों को इस तरह खा-जाता करता है जिस तरह आग लकडी को जलाकर राख कर डालती है.

बदनिगाही

{५} मुस्लिम; रावी हज़रत जरीर बिन अब्दुल्लाह रदी. खुलासा-
रसूलुल्लाहﷺ से अजनबी औरत पर अचानक निगाह पड जाने के बारे में पूछा तो आपने फरमाया तुम अपनी निगाह फेरलो.

{६} अबू दाउद; रावी हज़रत बुरीदा रदी. खुलासा-
रसूलुल्लाहﷺ ने हजरत अली (रदी) से फरमाया ऐ अली! किसी अजनबी औरत पर अचानक निगाह पड जाए तो निगाह फेरलो दूसरी निगाह उसपर ना डालो पहली निगाह तो तुम्हारी है और दूसरी निगाह तुम्हारी नहीं है (बल्की शैतान की है).